

से भटका हुआ, योगच्युत पुं. समुचित साधना के अभाव में योग से भ्रष्ट हुआ व्यक्ति।

**योगमाया स्त्री.** (तत्.) 1. सूक्ष्म समाधि से प्राप्त अलौकिक शक्ति 2. विष्णु की सृष्टि कर्त्री शक्ति 3. पार्वती 4. दुर्गा 5. यशोदा की कन्या।

**योगराज-गुग्गुल पुं.** (तत्.) आयु. 1. एक वृक्ष से गोंद के रूप में प्राप्त गंधद्रव्य से बनी एक विशेष आयुर्वेदिक औषधि जो गठिया, वातरोग, लकवे आदि रोगों में अत्यंत उपयोगी है 2. गुग्गुल की प्रधानता वाली कई औषधियों से बनी एक औषधि।

**योगरूढ पुं.** (तत्.) 1. भाषा में प्रयुक्त होने वाला वह शब्द जो यौगिक भी हो तथा रूढ भी हो जैसे- 'जलद' शब्द, जल+द = जल देने वाला यह यौगिक अर्थ है तथा दोनों शब्द मिलकर 'बादल' इस अर्थ में योगरूढ है 2. जो अपने सामान्य अर्थ और व्याकरणिक अर्थ से भिन्न अर्थ का बोध कराता हो **वि.** (तत्.) 1. योग साधना में रत, योगसाधना करने वाला 2. चित्तवृत्तियों का निरोध करने वाला, योगी 3. वीतराग।

**योगरूढि स्त्री.** (तत्.) दो शब्दों के योग से बना वह शब्द जो अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ को व्यक्त करता है जैसे- पंचानन, (पंच+आनन) लंबोदर (लंबा+उदर) वीणावादिनी (वीणा+वादिनी) क्रमशः शिव, गणेश, सरस्वती अर्थ के द्योतक हैं।

**योगवती स्त्री.** (तत्.) योगी स्त्री, योगिन, योगिनी।

**योगवान् पुं.** (तत्.) योगी।

**योगसमाधि स्त्री.** (तत्.) योग के द्वारा लगाई जाने वाली समाधि, आत्मा का गूढ़ भाव-चिंतन में लीन होना, योग विधि।

**योगवाशिष्ठ पुं.** (तत्.) वेदांत का एक प्रसिद्ध ग्रंथ, संसार से विरक्त हुए युवराज राम को गुरु वशिष्ठ द्वारा जो तात्त्विक उपदेश दिया गया था इसमें संग्रहीत है।

**योगवाह पुं.** (तत्.) व्या. अनुस्वार और विसर्ग।

**योगवृत्ति स्त्री.** (तत्.) योग में चित्त की वृत्ति, प्रवृत्ति, योगी जैसी मनोवृत्ति।

**योगशास्त्र पुं.** (तत्.) पतंजलि द्वारा रचित योग दर्शन का ग्रंथ, यह पातंजल योगसूत्र नाम से प्रसिद्ध है, यह भारतीय षडदर्शनों में से एक ग्रंथ माना जाता है।

**योगसूत्र पुं.** (तत्.) 1. पतंजलि कृत योग संबंधी सूत्रों का संग्रह जो पातंजल योगसूत्र के नाम से प्रसिद्ध है 2. उक्त ग्रंथ का कोई सूत्र 3. योग का कोई रहस्य।

**योगांजन पुं.** (तत्.) एक सिद्ध अंजन जिसे नेत्रों में लगाने से पृथ्वी के अंदर की वस्तुएँ दिखाई देती है, इस अंजन के लगाने से आँखों के अनेक रोग दूर होते हैं।

**योगात्मा पुं.** (तत्.) 1. योगी आत्मा, योगी पुरुष, योगी, योगसिद्ध या योग साधक व्यक्ति, सिद्ध पुरुष, आत्मज्ञानी 2. सुख-दुख में समभाव रखने वाला 3. योगदर्शन या राजयोग का अनुयायी।

**योगानुशासन पुं.** (तत्.) योगशास्त्र, योग संबंधी नियमों का ग्रंथ।

**योगाभ्यास पुं.** (तत्.) योग के अंगों की विधिवत् साधना, योग साधना, योग साधन।

**योगाभ्यासी पुं.** (तत्.) योग साधना करने वाला।

**योगायोग पुं.** (तत्.) 1. उपयुक्तता एवं अनुपयुक्तता, उचित एवं अनुचित 2. संयोग, संयोगवश।

**योगासन पुं.** (तत्.) 1. योग साधना के निर्दिष्ट आसन जैसे- वज्रासन, पद्मासन, मत्स्यासन, सिद्धासन आदि 2. योग साधना के लिए बैठने वाले व्यक्ति का आसन या बैठने का ढंग।

**योगित्व पुं.** (तत्.) योगी होने की स्थिति या भाव, योगीपन, योग की स्थिति को प्राप्त।

**योगिनाथ पुं.** (तत्.) योगियों में श्रेष्ठ व्यक्ति, योगीश्वर।

**योगिनी स्त्री.** (तत्.) 1. योगाभ्यास करने वाली स्त्री, योगाभ्यासिनी 2. संन्यासिनी 3. युद्ध में